सत्र 2022–23
नियमित परीक्षार्थियों हेतु

एम.ए. तबला–प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र–भारतीय संगीत इतिहास

समय : 3 घण्टे

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

इकाई–1

1. तबला एवं पखावज (मृदंग) की उत्पत्ति एवं विकास का ऐतिहासिक अध्ययन।
2. संगीत संबंधी दिये गये विषय पर न्यूनतम 300 शब्दों में निबंध।

इकाई–2

1. वाद्य वर्गीकरण के सिद्धांत का विस्तृत अध्ययन।
2. प्राचीन घन वाद्यों का सचित्र वर्णन।

   करताल, कास्यताल, कल्पतरू, घण्टा, घडियाल, कम्रा, जयघण्टा, छुद्रघण्टा (घुंघरू)

इकाई–3

1 भारतीय संगीत का इतिहास – भरतकाल से मध्ययुग तक (12वीं शताब्दी तक)।

2 संगीत शास्त्रों में वर्णित प्राचीन ताल पद्धति के इतिहास का अध्ययन।

इकाई–4

1 अवनद्ध की परिभाषा तथा निम्नलिखित अवनद्ध वाद्यों का सचित्र वर्णनः–

(अ) मृदंग, पणव, दर्दुर, मर्दल, झल्लरी, करटा।

(ब) पटह, डमरू, निःसाण, त्रिवली, रूंझा, भेरी।

इकाई–5

1 निम्नलिखित शास्त्रकारों एवं उनके ग्रंथों का सामान्य परिचयः–

(अ) स्वाति, भरत, मतंग, व्यंकटमखी, सवाई प्रतापसिंह।

(ब) शारंगदेव, महाराणा कुम्भा, पं. भातखण्डे, पं. पलुस्कर।

सत्र 2022–23
नियमित परीक्षार्थियों हेतु

एम.ए. तबला–प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र–संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत

समय 3 घण्टे

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

इकाई–1

1 सांगीतिक ध्वनि का वैज्ञानिक अध्ययन। नाद–कोलाहल–तारता, ध्वनि तरंगें तीव्रता गुण या जाति और कर्णेंद्रियों की बनावट एवं श्रवण क्रिया।

2 अवनद्ध वाद्यों के वर्गीकरण का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–2

1 पं. भातखण्डे एवं पं. पलुस्कर ताल लिपि पद्धति का विस्तृत अध्ययन।

2 कर्नाटक तालिपि पद्धति का विस्तृत अध्ययन।

इकाई–3

1 कर्नाटक संगीत में प्रचलित अवनद्ध तथा घन वाद्यों का सचित्र वर्णन। मृदंगम, घटम, मंजीरा, तविल, मोरचंग, चेण्डा।

2 कर्नाटक एवं उत्तर भारतीय तालपद्धति का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–4

1 लय और लयकारी का विस्तृत अध्ययन एवं विभिन्न लयकारियों को तालिपि में लिखने का अभ्यास।

2 त्रिताल, झपताल, एकताल, रूपक, आडाचौताल एवं रूद्र तालों को विभिन्न लयकारियों में लिखने की क्षमता।

इकाई–5

1 त्रिताल में प्रत्येक मात्रा से प्रारंभ कर बत्तीस तिहाईयों के चक्र का विस्तृत अध्ययन।

2 दिये गये बोलों के आधार पर किसी भी ताल में निर्देशानुसार बंदिशों की रचना कर तालिपि में लिखना।

सत्र 2022–23
नियमित परीक्षार्थियों हेतु

एम.ए. तबला–प्रथम सेमेस्टर
प्रायोगिक

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

1. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल के अतिरिक्त आडाचौताल एवं 11 मात्रा में स्वतंत्र वादन।
2. पाठ्यक्रम के तालों को विभिन्न लयकारियों में बजाने का अभ्यास।
3. तिलवाडा, झूमरा, एकताल, आडाचौताल को विलंबित लय में बजाने की क्षमता।
4. दिल्ली एवं अजराडा घराने की बंदिशों का विशेष ज्ञान व बजाने की क्षमता।
5. शास्त्रीय गायन एवं वादन में संगति का अभ्यास।

सत्र 2022–23
नियमित परीक्षार्थियों हेतु

एम.ए. तबला–प्रथम सेमेस्टर
मंच प्रदर्शन

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष।

1. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल में से किसी एक ताल का 15 मिनिट वादन।
2. परीक्षक के निर्देशानुसार आडाचौताल, 11 मात्रा में से किसी एकताल का 10 मिनिट वादन।
3. तबला वाद्य को स्वर में मिलाने का ज्ञान।

//संदर्भित पुस्तकें//

1. पखावज एवं तबला के घराने एवं परम्पराएँ : डॉ. अबान मिस्त्री
2. भारतीय ताल वाद्य : डॉ. लालमणि मिश्र
3. तबले का उद्‌गम, विकास एवं वादन शैलियॉ : डॉ. योगमाया शुक्ल
4. तबला : श्री अरविंद मुलगॉवकर
5. प्रमुख ताल वाद्य पखावज एवं तबले की परंपराएँ : डॉ. मोहिनी वर्मा
6. ताल शास्त्र : डॉ. जमुना प्रसाद पटेल
7. भारतीय संगीत शास्त्रों में वाद्यों का चिंतन : डॉ. अंजना भार्गव
8. भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन : डॉ. अरूण कुमार सेन